# मूल्यांकन के लाभ

1- आत्म संतोष
2- आत्म विश्वास
3- मनोबल मे बढोतरी
4- गुणवत्ता मे सुधार
5- शिक्षण सामग्री मे सुधार
6 शिक्षा मे संशोधन
7 पाठ्यक्रम मे सुधार हेतु सहायक है।
आदि

# मूल्यांकन के कार्य

(1) पाठ्यक्रम मे आवश्यक संशोधन करना।
(2) परीक्षा प्रणाली में सुधार करना।
(3) निर्देशन एवं परामर्श हेतु उचित अवसर प्रदान करना
(4) बालको के व्यवहार सम्बन्धी परिवर्तनों की जांच करना
(5) अध्यापकों की कुशलता एवं सफलता का मापन करना।
(6) बालको की दुर्बलताओं तथा योग्यताओं को जानकारी प्रदान करने मे सहायता देना।
(7) अनुदेशन (Instruction) की प्रभावशीलता का पता लगाना
(8) बालको का विभिन्न श्रेणियों मे वर्गीकरण करना
(9) नवीनतम एवं प्रभावी शिक्षण विधियों एवं प्रविधियों को खोज करना।
(10) बालको की अधिगम कठिनाइयों का पता लगाना
(11) बालको को उत्तम ढंग से सीखने के लिए प्रोत्साहित

Scanned with CamScanner

# मापन ( Measurement )

**मापन का अर्थ** । — मापन शब्द का प्रयोग अत्यन्त प्राचीन काल से दैनिक जीवन मे प्रयोग किया जाता है। —

**जैसे** — वस्त्र विक्रेता वस्त्र नाप कर देता है,
दूध वाला नाप के देता है, फल विक्रेता फलो को तौलकर देता है। डाक्टर मरीजो का तापमान नापता है।
उपरोक्त सभी दैनिक जीवन मे मापन के उदाहरण है। —
ठीक उसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र मे भी मापन का प्रयोग किया जाता है।

**अर्थ** : "मापन के द्वारा किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना, स्थान के गुणो की विशेषताओ का मापन करना ही मापन कहलाता है"
~~⇒ निश्चित विधियो मे स्पष्ट करने की प्रक्रिया को मापन कहते है~~

## — । मापन की परिभाषाएं । —

1 — जेम्स . एम . ब्रेडफील्ड ( James M. Bradefield ) —
(जड़ पदार्थ)

"मापन किसी वस्तु अथवा क्रिया, घटना, स्थान के निश्चित गुणो को चिन्ह रूप मे प्रकट करने की प्रक्रिया को मापन कहते है जिसके द्वारा पदार्थ वस्तु अथवा क्रिया के पाया गुणो को संक्षिप्त से संक्षिप्त रूप मे प्रकट किया जाता है।"

या

"मापन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी वस्तु, प्राणी अथवा क्रिया की किसी विशेषता को निश्चित मानदण्डो के आधार पर देखा — परखा और मापा जाता है। और उसे मानक शब्दो, चिन्हो अथवा निश्चित इकाई अंको मे प्रकट किया जाता है।

② जी.सी. हेल्मस्टेडटर (G. C. हेलमस्टेडटर) — "मापन को किसी व्यक्ति या वस्तु मे निहित किसी विशेषता की मात्रा का आंकिक वर्णन प्राप्त करने की प्रक्रिया के रूप मे परिभाषित किया जाता है।"

Scanned with CamScanner

उपयुक्त नियमों ... के प्रयोग ... है

## मापन के चर

गुणात्मक चर (Qualitative Variables)

मात्रात्मक चर (Quantitative Variable)

चर का अर्थ :— जिस वस्तु तथा घटना के गुणों (प्राणी, पदार्थ) को मापा जा सकता है वे चर कहलाते हैं। या तो ... चर शोध में परिकल्पना के ... प्रयोग किये जाते हैं

The name of memory location are called variable. These are used to store data. Variable are changeable. We can change the value of variable during the execution of program and variable can be used any time. — Computer ki definition

चैतिक प्रयोग — अनुसन्धान के क्षेत्र में प्रयोग

### चरों के प्रकार (Types of Variable) (Sub Div)

1 — कार्यात्मक (कारण) सम्बन्ध के आधार पर (Basis of Causal...)
2 — मापन की इकाई के आधार पर (Basis of unit of Measurement)
3 — अध्ययन आकलन के आधार (Basis of Study design)

Sublime Classes

V-V

1 - कारणीय संबन्धो के आधार पर
(basis of Causality)

स्वतन्त्र चर — Independent Variable
आश्रित चर — dependent Variable
संगत चर (Extraneous V)

(1) स्वतन्त्र चर (independent V.)

अर्थ — जिस चर में प्रयोगकर्ता परिवर्तन या जोड़-तोड़ करता है उसे स्वतन्त्र चर कहा जाता है। स्वतन्त्र चर को कारक चर (Cause Variable) भी कहा जाता है इसे प्रभावित करने वाला चर को प्रभावित करता है।

Exam — पढ़ाने का तरीका, बुद्धि, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व, प्रेरणा, आयु,
Ways of teaching, intelligence, attitude, personality, Motivation, age.

स्वतन्त्र चर के प्रकार

Type - E संचालित चर — Treatment Variable
Type S - जैविक चर (Organismic Variable)

## निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं में अन्तर

| विशेष बिन्दु | निबन्धात्मक परीक्षा | वस्तुनिष्ठ परीक्षा |
|---|---|---|
| प्रश्न पूछना | प्रश्नों की रचना करना सरल कार्य है। इसमें प्रश्नों की संख्या कम होती है वे सामान्य प्रकार के होते हैं इनके उत्तर लम्बे (Extend answers) | (1) प्रश्नों की रचना करना अपेक्षाकृत कठिन कार्य है। एक आदर्श तथा विशिष्ट (Specific) होते हैं उत्तर छोटे (brief) होते हैं। |
| विषय वस्तु | सीमित पाठ्यवस्तु का मूल्यांकन होता है। | (2) पाठ्य वस्तु के व्यापक रूप का मूल्यांकन सम्भव होता है |
| उद्देश्य प्राप्ति | अवबोध उद्देश्य की प्राप्ति सफलतापूर्वक हो जाती है | (3) ज्ञान उद्देश्य की प्राप्ति सफलतापूर्वक हो जाती है |
| सार्थकता | ये परीक्षाएं, उपलब्धि परीक्षा चयन एवं वर्गीकरण के लिए अधिक उपयुक्त है | (4) ये परीक्षाएं नियतकालिक परीक्षाएं, मासिक एवं प्रवेश परीक्षाओं आदि के लिए उपयुक्त है। |
| अभिव्यक्ति तथा चयन | परीक्षार्थी प्रश्न का उत्तर अपने शब्दों में देने में पूर्ण स्वतंत्र है। | परीक्षार्थी को दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करना होता है |
| प्रतिदर्श | ये परीक्षाएं प्रश्नों के एक छोटे न्यादर्श पर आधारित होता है। | ये परीक्षाएं प्रश्नों के एक बड़े न्यादर्श (Large Sample) पर आधारित होती है |
| लेखन कला | परीक्षार्थी के सुन्दर लेख एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रभाव उसके अंकों पर पड़ता है। इसमें परीक्षार्थी रटा रटाया ही लिखता है | लेखन कला का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इसमें परीक्षार्थी पढ़ता है तथा सोचता है |

Scanned with CamScanner

# निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं में अन्तर

| विशेष बिन्दु | निबन्धात्मक परीक्षा | वस्तुनिष्ठ परीक्षा |
| --- | --- | --- |
| परीक्षक मन स्थिति | परीक्षक की मनोवृत्ति झलक सकती है। | परीक्षक के मनोवृत्ति प्रश्न पत्र निर्माण में बाधक हो सकती है मूल्यांकन प्रक्रिया में नहीं। |
| परीक्षार्थी एवं परीक्षक की स्वतन्त्रता | दोनो स्वतन्त्र है। परीक्षार्थी प्रश्नोत्तर देने में और परीक्षक अंक प्रदान करने में | दोनो की स्वतन्त्रता पर अंकुश रखा जाता है। परीक्षार्थी मात्र विकल्प चुनने में स्वतन्त्र है। |
| विश्वसनीयता एवं वैधता | इन परीक्षाओं की विश्वसनीयता एवं वैधता दोनों निम्न स्तर की होती है। | इन परीक्षाओं की विश्वसनीयता एवं वैधता दोनों उच्च स्तर की होती है। |
| मानक | परीक्षा के मानक स्थापित नहीं किए जा सकते। | इन परीक्षाओं के प्रामाणिक मानक स्थापित किए जा सकते है। |
| अंकन | परीक्षक को विषय पर पूर्ण अधिकार होने पर ही अंकन ठीक प्रकार से सम्भव है। | अंकन प्रक्रिया सरल है। अंकन कुंजी बन जाने से कोई भी अंकन कर सकता है |
| प्रशासन | प्रशासन सरल होता है कोई विशिष्ट निर्देश देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। | प्रशासन अपेक्षाकृत अधिक कठिन होता है। विशिष्ट निर्देशों को देने में प्रशिक्षण एवं सावधानी होना आवश्यक है। |
| अंक वितरण | परीक्षक स्वयं अंक सीमा निर्धारित करता है। निम्न स्तर के लिए वह 60 से 80% तथा उत्तम संतोषजनक उत्तर के लिए 10-25% अंक निर्धारित कर लेता है। | परीक्षक स्वयं अंक सीमा निर्धारित करता है परीक्षक को कोई छूट नहीं दी जाती। |

Scanned with CamScanner